समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 27 August 2026

Rural Transformation Champion: ग्रामीण बदलाव की मिसाल बने डॉ. रामेश्वर चव्हाण की प्रेरणादायक सफलता कहानी

Sanket Morankar Published on 22 Jan 2026

महाराष्ट्र के बीड जिले के पिछड़े और अविकसित गांव **जातेगांव** में जन्मे और पले-बढ़े **डॉ. रामेश्वर हरिभाऊ चव्हाण** ने बचपन से ही ग्रामीण जीवन की कठिनाइयों को करीब से देखा। उस समय गांव में बिजली, दूरसंचार, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव था। अधिकांश ग्रामीण गन्ना मजदूर थे, जिनका जीवन संघर्ष और असुरक्षा से भरा हुआ था।

इन परिस्थितियों के बावजूद डॉ. चव्हाण ने अपने गांव को छोड़ने के बजाय वहीं रहकर समाज सेवा का संकल्प लिया। **अपनी माताजी के आशीर्वाद और प्रेरणा से** उन्होंने **संजिवनी हॉस्पिटल, जातेगांव** की स्थापना की और यहीं से ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक परिवर्तन की मजबूत नींव रखी।

डॉ. चव्हाण ने अपने चिकित्सा कार्य की शुरुआत से ही यह सिद्धांत अपनाया कि कोई भी मरीज केवल आर्थिक कारणों से इलाज से वंचित न रहे। उन्होंने गरीब और जरूरतमंद मरीजों को **निःशुल्क अथवा उधार पर उपचार** प्रदान किया। वे स्वयं दूर-दराज के गांवों में जाकर **घर-घर आपातकालीन चिकित्सा सेवा** भी देते रहे।

समय के साथ वे केवल डॉक्टर नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों के **विश्वसनीय पारिवारिक चिकित्सक** बन गए। इलाज के दौरान उन्होंने यह महसूस किया कि स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ में शिक्षा और आर्थिक पिछड़ापन भी बड़ी भूमिका निभाता है।

इसी सोच से प्रेरित होकर डॉ. चव्हाण ने **संजिवनी इंग्लिश स्कूल, जातेगांव** की स्थापना की, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना था। इस प्रयास को ग्रामीणों का भरपूर सहयोग मिला।

इसके बाद उन्होंने—

- **यमादेवी इंग्लिश स्कूल, तालखेड (माजलगांव, बीड)**
- **यशराज पब्लिक स्कूल एवं जूनियर कॉलेज, जातेगांव**

की स्थापना की। इन संस्थानों में विशेष रूप से गन्ना मजदूरों के बच्चों को **निःशुल्क शिक्षा** उपलब्ध कराई जा रही है।

वर्तमान में इन शिक्षण संस्थानों में लगभग **650 विद्यार्थी** अध्ययनरत हैं, जिन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यावसायिक शिक्षा और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

डॉ. चव्हाण की सोच शिक्षा और स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रही। ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए उन्होंने दो वित्तीय संस्थानों की स्थापना की—

- **यमाई मल्टीपल निधि लिमिटेड, जातेगांव**
- **यमाई महिला अर्बन को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी, गेवराई**

ये संस्थान शिक्षा, कृषि, व्यवसाय, महिला स्व-सहायता समूहों और स्वरोजगार के लिए तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।

अब तक इन संस्थानों के माध्यम से—

- ₹7.5 करोड़ से अधिक की जमा राशि
- ₹6 करोड़ से अधिक का ऋण वितरण
- 4,200 से अधिक खाताधारक
- 98% रिकवरी रेट

के आंकड़े दर्ज किए गए हैं, जो ग्रामीणों के विश्वास को दर्शाते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ती शराब की लत को एक गंभीर सामाजिक समस्या मानते हुए डॉ. चव्हाण ने **संजिवनी नशामुक्ति केंद्रं, जातेगांव** की स्थापना की। यहां अब तक हजारों लोगों का सफल उपचार किया जा चुका है, जिससे कई परिवारों का जीवन फिर से पटरी पर आया है और गांवों में सकारात्मक सामाजिक बदलाव देखने को मिल रहा है।

डॉ. रामेश्वर चव्हाण अपनी इस यात्रा का श्रेय अपनी पत्नी **डॉ. अर्चना चव्हाण**, परिवार, मित्रों और गांववासियों को देते हैं। उनके सहयोग से एक छोटा चिकित्सा प्रयास आज अस्पताल, स्कूल, नशामुक्ति केंद्र और वित्तीय संस्थानों के एक मजबूत नेटवर्क में बदल चुका है।

डॉ. चव्हाण के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक योगदान को देखते हुए उन्हें "**Maharashtra Business Icon 2025 / Maharashtra Style Icon 2025 / Maharashtra Fashion Icon 2025**" पुरस्कारों के लिए चयनित किया गया है।

यह सम्मान **Reseal.in** और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा प्रदान किया जा रहा है।

इस भव्य पुरस्कार समारोह में देश की प्रसिद्ध फिल्म हस्तियां—

- **वर्षा उसगांवकर**
- **सोनाली कुलकर्णी**
- **प्रार्थना बेहरे**

की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

कार्यक्रम का आयोजन **श्री सुधीर कुमार पठाडे**, Founder & CEO, Reseal.in (Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd.) के नेतृत्व में किया जा रहा है।

डॉ. रामेश्वर हरिभाऊ चव्हाण आज ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में **आशा और प्रेरणा का प्रतीक** बन चुके हैं। उनका जीवन यह सिद्ध करता है कि यदि संकल्प मजबूत हो, तो एक व्यक्ति भी पूरे समाज की दिशा बदल सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.